र्ते नामया वहना झी



श्रुपमाष्ट्रिप्यव पर्दे दे त्यय प्रचर

र्गोत्यकेंगायस्त्रपरिः स्तियो

मण् मेश केंश बीट देश देंत ब्रेट येथे देश केंग्र बेम यह ग हे कता

व्यायम्य विषय

ಷಹ್೭.ವಿ೭್ಗ

चिष्णः पर्वः क्षुत्र न्यः त्यात् । क्षुत्र न्यः त्यात् । विष्यः चार्षः विष्यः चार्षः । विष्यः विष्यः विषयः विषय भ्राचित्रः विषयः विषय

য়ড়ৄ৾৾ঽ৾৾৴৶ৼৄ৾৴৾৾

₹য়৾য়৴৸ঽ৻৸৸

यन्यम्परम्द्रम् वाह्रयाधी क्ष्यायास्य स्वर्धात्र व्याप्त स्वर्धात्र स्वर्धात् स्वर्धात्य स्वर्धात् स्वर्यात् स्वर्यात् स्वर्यात् स्वर्धात् स्वर्धात् स्वर्यात् स्वर्यात् स्वर्यात् स्वर्यात् स्वर्यात् स्वर्यात् स्वर्

चर.र्.र्मे.च.मेंबेर्.।

देवर्वस्य अर्षेत् च्चायार्थे रायाय केत्र रेविः वयात्रया दयाप्यवे हेत्र <u>ढ़ॸऀॱऄॸ॔ॱॸढ़ॏढ़ॱक़ॕॸॱॴॹ॑ॱॷॴॗढ़ॸऀॱढ़ड़ॱक़ॗॆॸॱय़॑ॱॸॱॸॆॹ॑ॱक़॔</u>ॺ॑ॱऄॴ हेर्-रगांव वहिंग श्चावया यापित श्चेंग रह वही। द्धेवा वह राष्ट्र राष्ट्र व राष्ट्रिया त्र्वर्त्यन भेरते वे किन्त्र म्रेस्त्वित की के विकास मार्थित की किन <u>श्चित्रयास्त्रं प्रतृत्रों वे लो</u> देव वित्रं हा के श्वेष्ट प्रतिवृत्त श्चे वे र्तर से देव वे क़॓ॳॱॻॖॖॖटॱक़॓ॱढ़ॕॸॖऀ॑ॸ॑ॱॸ॑ज़ॖॳ॓ॱॸ॑ॹ॓ॳॱॸ॓ॱऌ॔॔॔॔॔॔॔॔॔॔॔॔॔॔॔॔॔ॹॸ॔ॱॿॖॗऀॱॹॸॱॺक़ॱय़ॱॹॖॗॸॱ<u>ॿॸ</u>ॗ ॱॻॖ८ॱऄऀॱक़ॖॺॱॴॱढ़ॆक़ॱढ़॑ॸॆऀढ़ऀॱऄॣ॓ॖॖॖॖॖॣॖॖढ़ॱज़ॺॱॸढ़ॻॏॹ॑ढ़ज़॑ॸ॔ॱॿॖज़ॱक़॔ॱॿॖज़ॱॸॕॱॾॆॱॱ तकर में में तसर धर के मुठेम हे र ए त्यू य र मं महत्र ग्री परे की र समयः द्रांग निश्चन त्रार्शे हिंदु द्रांग्व दें द्र हे राये हे दर्शन हो संस्थित वासुअ:ग्री:ह्ववार्यःहेरे:श्वतं विश्ववार्धियःयं त्येदेवटःव्यवियःक्रेवर्ट्रत्वर्यः तुंदर्वस्य देवाची स्त्रा चीविष्वं वसायके के सेन्य प्रस्ता सुर्वे चर्चा देवाची स्त्रा के स्त्री है निष्य सेन्य मुन्दर्व द्रायव देवाची स्त्री स्त्री चीविष्य सेव द्रवेश सेन्य स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री શુંનું ઋદ્વ સંદ સુત્ર મુવાયા શ્રેવાયા છે. જે એ શુંચા મુદ્દાન વર્જી નવે છે. સે વાયા છી . याच्च गोबा विका नार्ये टकारा क्षेत्र क्षेत्र राधि गोबा है उस रेकारा क्या नार्ये रेसरा र्नर र्देर विनेश ने क्रेना नर र विनेत्राव नित्र के क्रिन्य नित्र के नित्र क ૹ૽ઘૠૢૣૢૹૻૻઌ૽૽૽ૹૹ૾ૻઌ૽૽ૢઽૹૢ૽ૺૼ૱ઌ૽૽ૺ૽ઌ૽ૺ૱ૹૻ૿ઽ૽ૼ૱ૢૺ૽ૹઽ૽ૢ૾ઽ૽ૺૹ૽૽ઌ૽ૢૼ૿૽ૹ૽૽ૹ૽૽ૺઌ ઌૡૢ૽૽ઌૢ૾૾ઌ૽૽ૺૹ૽ઌ૽૽ૹ૽૽ઌ૽૽ૹ૽૽ૺ૱ૹ૽ૢૼ૱ઌૠૹૼ૱ૢઌ૽૱૾૽ૹ૽૽ૺઌ૽૽ૹ૽૽ઌ૽૽ૹ૽૽ૺઌૹ૽૽

देशक्षा श्रुपमास्य स्वराधित्व स्वराधित्व श्रुपमास्य स्वराधित स्वराधित स्वराधित स्वराधित स्वराधित स्वराधित स्वर

य़ॱॸ॓ढ़ॱय़ॕॱक़॓ॱढ़ॸॆॱॻढ़ॆॹख़ॱॻऻॸॕॻॹॻढ़ढ़ॱऄॸॖॱय़ॹॸॆॱख़ॸ॓ॻॱॸड़ॻॱ ॸॖॻॕॴ ॸॆॸॱढ़ॸॖॻॱॡ॔॔॔॔॓ॴफ़ॸॱॸॸॱॻॊॹॱॻॸॱढ़ॸॕॸॱॸॖॖॹॱय़ॹऄॱक़ॕॻॱॸॸॱक़ॕॹॱ ॻॖऀॱज़क़ॱऒ॔ॻऻॱय़ॱढ़ॆॹढ़ॎड़ॻऻॱॹॕॗॱऒऄॕॸॱय़ॱढ़ॏॻॱय़ॹॸ॓ॱॶॹय़ऄॎऄ॔

१) श्रीयबाश्ची.पर्गू.र्यम्बाराषु श्री अक्ष्यी

रात्वेषात्रसम्बद्धाः स्टर्भः स स्टर्भः स्टर्भ तदीन:नद्गीवानदाँअंचेश्चीवाचा चीवोन्ने तिर्वेन:चति खूर्या चर्च्या घर्या घर्या उदा શુદ્રના પાતે : ઘંત્ર: પા અર્ಹેના ' ત્રું' અ : અદશ ' ત્રું ના 'છે' . વેં ના પ્રેં ના પાત્ર અ : છું ના व चर्षात्वर रे में द वर्ष वर्ष वर्ष या राष्ट्रिव वर्ष रे वर्ष र्रेण ब्रुं विषा वर्ष दे दे क्षेत्रप्त र्वेद मी महिद र भूद क्षेत्र क्षेत्र हो दे विकास र पर दे हिं से के हे द सहित है । ૄર્શન'નંકૂતો[,] શું, નખૂદ્યતાન નફૂદ્દ, સું, વયાન ફૂદ્દ, સદ, કોંદ્ર, દ્વાપુ, શું, શું સાં શું સો શું र्ने क्षेत्रा दे क्षेत्र देवो च क्षा केंद्र केंद्र का की हिवा में क्षेत्र केंद्र की वर्ष की की ट्टी टार्च टिक्चे.त. ताली स्तान्त्रा.कुट. ट्रे. शु. अंश्वायाची । ट्रेश.त. श.लाच. ह्रीतीया सुच. पे. शट. टार्था के. ट्रे. त. ट्रेंग्वा.चे. ही. शप्ट. ताच्याची । ट्रेश.त. श.लाच. ताच्या. केट. त्या ह्रीता.त. ताट. तीच. श्वायाच्याच्याची । ट्रेश.त. श्वायाच्याचीटा. व्यट्सायहर्षेत्रा । देशांदार्श्वरंश्वरंश्चे स्वार्थां स्वयाक्षेत्रः देशस्वरूपर प्टब्रें पर्वे प्रस्ता विवामुब्द्यार्थित्रः देन देन हो वेद्राञ्जीका व मिवन नियम् विवास हो। विद्रासी विन्यते स्थापार द्यं ये विन्न विन्यते विन्यते स्थापार हिन्यते स्थापार स्थापार स्थापार स्थापार स्थापार स्थापार स वावनाया। वायाने यं नै पर्वा यहें व पर्व के के के नि व वायर ने प्रस्ट प्रका व्वित्रन्तरंदर्जात्यून्तं दिःयंत्रष्ठीःवयार्नियःश्चरंतर्युग्ना ૡૺઌ૽ઌૺઌૢ*૽*ઽઌૻૻઽૻૡ૽ૺ૱ઌ૾ૢૺૺૺ૾ૺૢૺઌ૽ૺ૾ૹઽઌૻ૽૱ઌ૽૱ઌ૽૱૱૱ઌ૽૽૱૿૽૱૽ૺઌ૽ઌ

नरे तर्चे दर्व तर्चे पार्व करी के अक्षा वे के तर श्री र स्वागुर्व की तर्वाप रूरं लगान सेंन मूर्वे र्वा लहेर हें प्रदे परि गरे हैं हैं में हैं ग हैन होंग न्म्यकृषे स्वर्त्त्रं स्वर्त्त्रं स्वर्णाया स्वरत्या स्वर्णाया स्वर क्रिःश्रेषु भीवा वी त्येयां वे वा प्रवादि 'से हा पोटा त्यां क्षु प्रवाद 'यूकी । ब्रेयां है । प्रेय क्ष्या ग्रीं बाचाबुंदबाया युव्दुंदु 'र्बेचिद्धें वादेयत 'र्वेषा वाद विवासि वे हो बास गुन्। वानन्त्रत्वार्धात्ये श्रेश्वात्यः वित्। वानः शक्तं श्रेशः विश्वेषाः छन् द्वा वित् पृत्रः वश्यकः छन् वानकः श्रुरः या। वायः हे स्थ्यकः विवार्धेन् वित्वी। ने हिन यात्रे सुन्त्रात्वे वित्। । ने यहून् ने वित्वगुरु च निर्मा प्रमुक्तः या यर्थः रिटार्ट्यं स्थित्या है क्या है स्थित सह रिवो स्टियः स्थाया स्थित्या सु

तर्वे दर्वे अधिर प्रमानुद्रे स्थाने ।

लूर्यालुक्यो । ट्रे.कु.चर्यो मुक्स्ट्रें क्षेत्र ये। ट्रि.च्या क्ये प्राय एक्स्ट्रिय भैचकाश्चर वक्षा व्रियाका चर्चर भैचका रेचार पक्षिता प्राय प्रमुख्य प्र

४ म्रिन्यः शुः दर्गे : नदे : र्स्या

जवाः हुः तेव स्वतः स्वाप्तः स स्वापन्तः स स्वापन्तः स्वापन

१ वट.ज.भ्रीचब.थी.पर्ग्रे.चपु.लीजी

<u> ५८.त्रु.ची श्रेर पह</u>े वाबाय श्रू. रे.बे.वाचाया वाज्य सम्बाह्य स्त्रीय वाज्य स्तर ज़ढ़ॱॺॕ॒ॺ॑ॱॻॖऀॱॻऻ**ॸ॑ॱ**ॾॕॻॱॸ॓ॱॸ॓॔ॳॱॴॱॳॣॸॺॱॺॖॱॺॕ॔॔॔ॸॱॸॺॱक़ॕ॔ॻऀॱय़ॱक़ॗॱॺऄॕॸॱऄॕ॔॔ॸॱ *৾*ঀ৾৾৽য়৾৾ৼ৻য়ৣ৾৽য়৽য়ৢ৾৽য়ৼৼঢ়ৢ৾য়৽৻ৼঢ়ৢ৾ঢ়ৢয়৽য়৽য়য়৽য়৾ৼ৽য়৽য়ৄ৽ঢ়ৢঢ়৽ঢ়৾য়য়৽ ५ अप्पेर पं सूर भेर्ने ग्रुटा वर परे में तथेट न्रुप प श सुपर्य र्में द ब्रॅकेन निशु संनि देश पर सेट दर्गिय है। श्ली प्रयादिमें पत्तु के स्वाप्ति विद्या च्याळेषान्दरन्ते। तर्वा चारान्त्र्याचारान्दर्भागाः सुर्वा विषान्दर्भ नुराळेषात्रायाः युष्णा चारान्त्र्याचारान्दर्भागाः सुर्वा विषान्दर्भ त्रं पहेत नर्मेषा व्याप्तेष्ट्रत यदे केंबा वा पहेत नर्मेषा हे क्षेत्रं पदे मेंवा न्यो (वर्ष के प्रमहेन न्योंका विकामसुर्य में न्ये रे के केन महित्य के सूत्र न्दः भ्रुतुः च तन् विर्वेवा वीश्रुं अं वाद् 'तु दः दे र्वेत् 'ध्रेषः भ्रे क्रेंवा 'ध्रेर वाशु अःवा ला वर्षक्रेन क्रेंब्र पंदे करका मुन्ना वर्षक्र प्रेंब्र माने क्रेंब्र में भूत पदे चेंब्रब नि त्र्व पश्चिम् वास्तर निर्मेश मा अनुन्य पश्चिम में में के के निर्मेश के में के कि कि निर्मेश में में के कि कि यंयां तर्में यं चिया में टर क्षेत्रं की या मूर्या पावतं की में तरकी या हैं पाया की तर्में पाया हैं

ब्राह्म त्राह्म न्यान्य स्थान स्यान स्थान स्थान

१ য়ৢৢঀয়৻ঀয়ৣ৾ঢ়৻ৼৣ৾ঀ৻ঀ৾ঢ়ঀ৻৸৻ঀঀঀ৻ঀ

शक्रियः त. ब्रिट्रं कुट्रं स्वुट्री क्रियं चर्येंट्यं हो पट्ट्यं में स्वयं स्वेत्रं स्वेत्रं स्वयं स्

प्यास्ति सम्बद्धी हुन स्टान्ट प्रश्निक के क्रिक्ट प्राचार कु श्री प्रमानिक क्रिक्ट प्राचार कु श्री प्रमानिक कि स्वासी स्

द्रमाया में प्रदेश तारा प्रदानिक स्वाय क्षेत्र में स्वयं में स्वय कैट'। क्रेंब क्रेंट्स क्रेन्पं नेट क्रेंब मार्बस क्रिव पर है होने पर क्रेंट्ब हेंगूस য়ৢব এমগ্রান্ত্রদেশ নরিব স্লামর্ষদ ন ক্রা ট্রামর্ব মৌদম্রে রি দেশ ઌૻૡૻૺ૽ૹઌ૽ૼ૱૽ઌ૾ૢ૱ઌ૽૽૱ૢ૽ૺ૱૽ૢૺ૾ઌૹઌૢઌ૽૽ ૐૹઌ૽૾ૢ૽૽ૹૢૹ૽૽ૠ૽ઌઌૢ૽૽૽ૢૺ૽ઌૹ૽૱૱ૹ૽ૼઌ नमः ग्रमः में स्वार्षे के वृष्ट्रसं मार्गे हिंद हो देश हैं। विकार्य दूर देश प्रमाणियां के स्वार्थ তব রমমণগ্রী 'র্বির'ট্রব'র্বি] । বিশাদার্যুর্বম'র্বীন । ক্রুরি'ব্যন্ত র'ল্ডার' মর্বি'ন্থ বন্ধুঅ'বর্হ'ব্র'য়'ঽ৾ব'ঊব'৫ইর্হ'ব'আইনী্ম'র্ড্ড'বর্ইই'ব্রুঝ'গ্রী त्यूं र विर अर्थत पंजाय पार्च र वो र्जा विष्ठ र वी र्जे व र वे र जे रें हो क्व व स त्वीयान्तरं वार्चे निवास क्षेत्रं के क्षित्रं के क्षेत्रं वार्वे निवास के क्षेत्रं वार्वे के क्षेत्रं वार्वे क त्यम् दर्ने स्ट्रनः बोर्यं या ठवं गाव ग्री : ब्रान्टे व पाये : क्रेंच । या र में निवा वीवा नुवा यिवा (वं (वुंबा द्या विश्व कुंग्री) स्नेत रहेवा युहेवा त्य ह्य वंब रहेत देशी। वाह्य दे र्नुहर्मा मुर्छेषा मौकार्के केंद्र अर्व 'ग्रुट दिने वर्षा विकाम सुर्वा महार मिन्न महार <u> न्वित्राम्किम्मी क्षे व्राचार व्रथायाय यावि यावि ग्रायाय ये क्षेत्रां क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र</u> য়৾৽য়৽ৢৼৼ৽৾য়য়৾য়ৠৢ৽য়৾৽য়ৢ৾য়৽ৼৼ৽য়ৄ৾ৼয়৽য়য়৽ৼ৽৾য়৽য়ড়ৼ৽ঢ়৾৽য়ৼ৽য়য়ৢৼ৽ ૡૹ૱૽ઌ૽૽ૢ૽ૺ૾ઌ૽ૡ૽૽ઽૢ૽ઌ૽ૻઌ૽૽૱૽૽ૢૼઌૹ૽ઌ૽૽ૹૢૢ૽ૺૢ૱૱ઌઌ૽૽૱૽ઌૡ૱૽ઌ૽ૼ૱૽ૢૢૣઌઌઌ૽૽૱૽ૣ૽ૼૺૺૼ अर्केन तृ श्रुरप्प भिनं त्री । ह्युनेष ग्रे प्येंन हेन प्रदेन पिते के रे के तर्हेन हो अ

ૹૼૼૡઌ૱ૡ૽૽ૺૡૢૡ૽૽૽૽ૹૢ૽ૺૡ૽૽૱ૡ૽૽૱ઌ ૹઽૼૼ૱ૹૢ૱ૢૼ૽ઌૢ૽૽૽ૹૢ૽ૡઌ૽૽૱ૹ૽ૢ૽ૢૢૢૢૢૢૢૢૢૢઌ૽૱ઌૣઌ૽ૹઌૹ૽ઌ૱૱ઌ૱૾ૢઌ૽ૺ૱ઌ द्रपर्द्रा ग्रुपरे हे तुर्व ज्ञुब्र कर बेर्द्र प्रस्'य ग्रुपर ज्ञुप्त अप प्रस्केत स्थान कर् त्र्य्त्रियान्। या तह् वा पते हिया वा बाया क्रिया ही म्युं से हें स्था के क्रिया हो स् ब्रह्म्यू विव जूबोब्रू जूबार विहास क्षेत्र में । र क्षेत्र र विव विव र वे र क्षेत्र की भूगानभूता ने अकार्वेद राजेंदिवर करता हुना ग्रीका अन्वेरिकारा केद ग्रीट ઽૢૺૹ઼ૺૹૢ૽ૺઌૼૻઌ^{ૻૢ}ૢૹ૽૽ૼૐૢ૽ૺૺૺૺૺૺઌૣઌૢૺ૱ઌઌૣૻૼૹઽઌૣૼૹૼઌઌઌ_{૿૽ૺ}ૹ૾૾ૢ૽ઌ૽ૼઌ૽ૹ૱ઌૼૺૹ૿ૢ૾ૺઌ૽ૹઌૹ यंत्र ये धित्रे ने वर्ष्याय दें या वर्ष्याय वर्षे प्राथया है थे ध्यत्र या स्ट्रियय गात्र ब्री । ब्रिंट ग्री संप्यट देव नश्चित्र येवाय हो । बट में क्रेंच्य देवा संक्रिंट न्यू । <u>बुश्नित्र इंश्याचे कॅपोनर्केल, पर्छेची । बुश्नुमीक्षेट्य बुट्री चिमार्सेमी वैट</u> नबूदर्ने ने अ से देकरान नर्मित्र सर्वे प्रति के ते देन से सर्वे र ने हैं साथ देंदें बेदें पंत्रायदायायायेदांपुरां रुटार्स्सणी क्रिंदा प्रदेश सुविदारी। बहता বম্বুর বর্ত্তর্মা প্রথমত ব শ্রী কাবী হী বি বির দের একারী কৌরের ক্রী র কাবাইবা এ जयाकी जाजबाय विद्रास्त्री विकास हिंदि निवायर वा क्या की इसा घर प्रतिपा ढ़ॏज़ॱढ़ऀॱज़ॕॖॱॸॸॱढ़ॻॗॸॖॱढ़ॊॕॱॾॕॣज़॑ॱॾॕॱक़ॕॱक़ॆज़ॱॻॕॹॱॻॖॸॱक़ॕॸॱॹ<u>ॸ</u>ॹॸॱॺॸॱय़ॕॱ *ପ*ର୍ଜ୍ଧ କ୍ରିଅଟ ଧ୍ୟ ଅଧି । ପ୍ରଦ୍ୟ ବ୍ୟକ୍ତ ବିଷ୍ଟ୍ର ଅଧି । ଅଧି सर्द्रिं प्राप्नेश्वर प्रविव र्द्रिं पर्म् मुख्यि देव धीव र्वे । सर्द्रे ज्या सर्वे प्रवासिक स्त्रित्व । पाव्य पर्वे संस्था प्रवासिक स्त्रित्व प्रवासिक स्त्रित्व । स्त्रित्व स्त्रित्व स्त्रित्व । <u> यहि गुर्कार्य : अर्के र्क्के</u>या नादे : घनका आक्रा गुक्त : ये खुगका हे : के दे : ये : दे : रैट बैंद यर वे तह्ना। यव यहनावां य दर् ब्रायं हानावां य व्यव कर है। ૢ૾ૼૼૼૼૼ૱૱ૣ૾ૼૺઌૻૻૹૢૺૺ૾ૹૢઌૻૼૺ૾ઌ૽૽ઌ૽૽ૺઌૹૢ૽૱૽ઌૢ૽ૺ૱ઌ૽ૹ૱૽૽ૢ૾૽ૹ૽ૣૼૼ૾૱ૹ૽ૹૢઌૹ ब्रुं र्देबरपदे क्रुं अळवे ने बर्पियं जो ब्यार्ट्युर् के व ब्यायी बर्धर्य के व प्रमुल जब भुवाब दुर्म भुवाब हुंग वादे व ग्री हैं व व हैं व रास्ट्रिय रास्ट्रिय तुरःञ्चयःद्ध्यःश्वेषाशःकुं केरःचेषक्षःश्ले देशयःगिर्देदःद्ध्यावायरः 5दि। दे·क्षेत्रः बादवा क्रुवा ग्रीः धॅदा ५दा देवा देवा देवा के का ग्रीः बाह्यः यावा द्वादार परास्त्र वा

क्री दिन्द देव ति नभ्रद्या ने भ्रुपेय गर्यु या इस्त्रा सक्त कि द्वी व स्थान स्थान भ्रूपः । भ्र यहिकासु प्रवास पर्केनु वर्धका वृद्धियां पर्का ग्रीत पित प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त <u> पश्चित्रारा, इश्रया, जन्ना, प्रमाणका जेवान के वाल के ज्ञान के जिल्ला के ज्ञान के जिल्ला के ज्ञान के जिल्ला क</u> न्त्रीं व अर्केन ना मुझार व विवाद कर ने प्राप्त निवाद कर के व संधितं पत्र दि त्रुर वे बाद्यं तं च्चुतं पा स्रोवबायते धेंक हुतं स्वर्वेद्यं पते त्रुद्य य त्रुस्य वर्षा पत्रितं दे रूट वी स्वर्षेत्र सुप्तबासु (देहें तु प् विषादर्षेत्र हो देवटः बर्व मुक्त के र्राट वे भुवन के केंद्र पर पर रादि वा केंब के भुवन पर रेंब कु त्रदेव। द्रमे त्र्व ते सुनवासुन पति हार्मेषां सु त्रदेव पा धेव ते । प्रवे य मुबद द्राया सुनवासुन पति हार्मेषा सु त्रदेव पा धेव ते । प्रवे सक्रिया मंत्रुं अ वि. द. त्यां श्रुप्त्या सु त्य है व प्याधित ही । सु हो माना पर हैं दें प्या ત્યાં વર્તા, ધુ : સૂંધ, તા. વોલ્વ. કોંટ મેં વ્યાગ ન ક્રુજા. ફ્રાંચ : શુંટ . તા. સેંવયા શે. સર્છા ित्र हित्र स्त्र पुर्वित क्षित्। सिंह्य स्त्र स्त् स्त्र स् र्सूर अर्थे व क्रिंट यो र निवा में क्षेत्रेय पर र पर गुरा हिसरे घंये करें स्थाय के या श्रीत अपना महिता होते । के प्राप्त के प्राप्त के प्राप्त के प्राप्त के प्राप्त के प्राप्त के प्राप स्थित अपने के प्राप्त के प्राप् सेरा क्रॅबर्य प्रत्यम्बद्धर्य प्राप्ति विष्णु क्रेंबर्य अवेट विष्णु के क्रिया क्रिया प्रत्या क्रिया प्रत्या क्र सेरा क्रिया प्रत्या क्रिया प्रत्या क्रिया क्रिय

लेव.तंबाट्यो परेच.लपंट.वीबातर ए.वीट.ट्री ग्रेचियात हिट.तर चूंबाते. वेबाक्र्याल ग्रीबात अंग्रे हिला त्वेव हिला प्राचीत पर्याप्त हिटा पर चूंबाते.

त्रभुव य त्यभ्रय देव हो । । वेषाय पासुक दर हो द पासुक पा । वेंस्य य स्कर्म वर भुवस्य सुरस्य त्यम केंग्राणका सुक्ष व देव के कि पासुक प्रमुख्य के स्वाप्त वर्ष हो सहार प्यस्ति साम्राज्य केंग्राणका सुक्ष य स्वाप्ति । देव र मुद्दा साम्राज्य सुक्ष य वे। देव से स्वाप्ति स्वाप्ति साम्राज्य स्वाप्ति साम्राज्य स्वाप्ति स्वापति स्वाप्ति स्वापति स्वाप्ति स्वाप्ति स्वाप्ति स्वापति स्वाप्ति स्वापति स्वा ૹૡ૽ૺઌૡૢ૽ૺ૾ઌૹઌૣૼ૱ૹૹૢૼઌઌૢ૽ૺૹ૱ઌૢ૽ૼૢૺૺૺ૾૽ૢ૽ૺઌ૾ૺ૱ઌ૽૽૱૿ૺૹ૾૽૱ઌ૽ૺૺૺૺઌઌૢ૽ૺઌઌ૽૽૱ૹૹૢૼઌઌ૽૽૱ઌ૽૽૱ૹ૽૽૱ઌઌ૽૽૱ૹ૽૽૱ૹ૽૽૱ઌઌ૽૽૱ઌ૽૽૱ૹ૽ त्र्रीव्यक्षक्रिया हो ने के निक्षित्त क्षेत्र क् क्षेत्र यर ग्रेश । वेवाय अर्केवा श्रेर सुवयर्ग र्योट यं वट थिव या। दे छेट <u>ઋુનર્ગસું 'સેંદ'નં ફ્રુચર્ગ શુ</u>ે' અર્દેગું 'હેર્ગ'સું નાર્સું કે 'હેંદ' | વાદ 'લેવા' ৶য়য়৻ঽয়ৢ৾৾৻য়য়য়৻ঽৼ৾৻য়য়ৣ৸৻য়ৼ৾৻ঀৄঢ়ৗয়৾ঢ়৻ৼ৾ৼ৻ৗঢ়ৢয়য়য়ৢয়৾য়৻য়৾ৼ **セセレスは、日といれ、単ときに、大型が、利し** अर्देर-व-भ्रान्य-वर्गेदि गान्यम्य-वे वयम ठुन-व्याम्य-के न-न्न् <u>ลิ</u>ลเลู ลดั๊ฮ ดัฐิ ะ รุมลาย ฮ่ะานิลาฮู่ะาระาชิ สัญั่ร รุะาลฮม ปรา য়ৣ৾ৼ৻য়ৄ৾৾ৼ৾৾৽ড়ৼ৾৾৸ৠয়ৣয়৸ড়ঀ৾৽ঀয়য়৾৽ড়৾৾৾ৼ৾৾৽ৠ৾ঀয়৾৽ড়ৄ৾ঢ়৻ঢ়ৄঢ়য়৽য়৾৽ঀঌ৾য় वयानुषार्क्रमान्यते अव र्पाष्ट्रप्राच्या उत्तर्भवत्ते । मृत्राच्या स्वास्त्र सुर्वे या ৻[৻]৻য়৾৽য়৽য়৽৻ৼ৾৽য়য়৾৽৻য়৾৾ৡড়৾ঢ়৾৽য়ৢয়ৢয়৽ঢ়৾য়ৣ৽ঢ়৾৽য়ৼ৾৽ঢ়য়৾৽য়৾৽য়৽য়৾৾*ড়*৽৽ गशुक्षं ये तथा प्रमुक्त स्तर्भेति दि तम् स्तर्भेति । दे तम् र्श्वेर निर्देश स्तर्भेति । वाबुदबाया भून र्रो ब्रे बाँचे हुट देते वर्षा वा ब्रिं ब्रुट या हु सब है की ह्वा पं र्दरद्वर्त्र्येते सूर्वा प्रभूता प्रमुखा प्रमुखा प्रमानु । ज्ञा प्रमुखे प्रमुखे । अर्केवा वांबुयायाञ्चानवार्षुः देशे विटानेते नहान नुः यवाद्या श्री होट ने रायाद्यन

क्रियः अक्ट्र्याचा क्रियां बाजी क्र्या | यद्या द्वे आक्ष्य वावव ह्वे दी । क्रिट्ड यव्य वाचे वाच्यां स्थाया स्याया स्थाया स्थाय

कुव.स्.ब्रिट्-वेट-वी क्रियाल-श्रीनयं श्रीस्ट-च-लुवी वियास्त्रीय क्षेत्र-श्रीट हेया ર્કુતા શ્રુંષા શ્રું : શ્રું કું કે . તે . તા ર્શું તા રાખી તું . તો તા કું તો તા સુવર્ષા તા શ્રું તો કું તો ત <u> प्रथर र्ज्याय र्</u>ट्ट हिर्गातपु स्नित्यं याटय क्षेय त्याय स्त्रीतय सुप्रात्य स्त्रीत्य सुप्र ઌ૽૾ૢૺ૽ૡૢૼૡ[੶]૬੶ઌૹૣ૽ૼ૱૽ૡ૽૾ઽૻ૱૽ૹ૱૽૱ૹ૱૱૱૱૱૽૽ઌ૽૽ૢ૽૱૽૽ૼઌૣૹ૽ઌ૽૽૱૱ઌ૽ ૹૣ૾ૣૼૼૼૼૼૼૣૻઌૻઽૻૣૻૢૻૢૻૣૢૻૻઌ૽ૣઌ૽૽ૢૼ૱ઌઌ૽૽ૣ૽૱ઌ૽ૹ૽૽૱૱ૹ૽ૹ૽ૼૹ૽ૢૼૹ૽ૣૼઌ૽ૣૼઌૹ૽૽ૢ૽ૹૢૹ नहेन छट कें युट इंग्रंय ग्री या देव तथा हिन या निता निता में त दर्भनं यम प्रविदे कें वं मानव दें न संग्रत हिन मुन्य प्रवे हेन द्रो य ८.कै.व्यवश्चेवीयारा लुचे त्राया है विश्वया करें ग्रीट श्रीवया प्रमुख्य प्रम्य प्रमुख्य प्रमुख्य प्रमुख्य प्रमुख्य प्रमुख्य प्रमुख्य प्रमुख लंबा मंतर्या मेटा अर्देर व लेट हेंग्या ही नमून पा माम उर्द की प्रा लम् ताम्यान्यस्य स्वास्त्रः स्वास्त्रः न्यान्यस्य स्वास्त्रः स्वस्त्रः स्वस्तिः स्वस्ति . सःश्रुप्तरादर्गे पठवापते यात्र या प्राप्ता प्रतिवादि । विवादा स्वाप्त । ૹ૾ૢૺૺ૱ૢૻ*૽૽ૢ૾ૹૡ*ૹૻઌ૽ૼ૱ૹૺઌૢ૿ૹઌૢ૽૱ૢૻઌૣ૽ઌૣૹ૽૽ઌ૽૽૱ૢ૽ઌઌ૱ઌ૽૱ૹ૿ૢઌૹ शुःद्र्युः द्ध्यां मुः के स्कूटः वी निर्माट वी या पाद या सुन्युः ये गुः ति है पाया पाद्य स्कूपाया र्ट्ट्ट्रिंग् स्राप्त विराम स्रीविश्व प्रमास्त्रीय द्विषा द्वी रिसाय र प्रमास्त्रीय स्री शर्द् हे क्रुंत यमा वहें नर्ना ने नहीं महास्त्र प्रत्या। क्रुंत है र क्रुंत प्रत्या वहें नर्मा वहें नर्मा वहें सर्दे हे क्रुंत प्रमा वहें नर्मा ने नर्मा है निर्मा करा है र क्रुंत है र क त्रत्। विश्वामुद्धार्यः वृत्रः री। १ दे.हे.क्षेर.जव.धे.ज्ञ.तंत्र.क्ला

मिट्रेट कर्ने ब्रेयन प्रतिहें व कुं छे ते ट्रंयां चुना के न क्षट क्रें ट्राया व न प्रवासन र्प ते अवत प्रमायमान्य देश ने तुँगुमा ग्री क्रु न ते दे त्याँगा र्य खेंगा र दे से रू रू ૡૢઽ૽૽૽૽ઌૹઌ૽ૼૹ૽૱ૡઽ૽ૣ૽ઌ૽ૻૹ૽૾ૺઽ૽ૢ૽૾૽ઽૺ૱ૢૢ૽ૺૹ૽૱ૹ૽ૣઌ૽ઌ૱૽ઌ૽૱૽ૼૺ૽૽ૹૣઌ૽ૹ૱૾ૺ शुःषा पार्ल्यन्तुः भी वेदात्रे भी स्ति पार्वा भी स्ति । मेर्गा मेर्गा मार्था । स्ति स्तुता पार्वा भी विद्यात्र भी स्ति । स्ति पार्वा भी स्ति । स्ति । स्ति स्ति । स्ति । स्ति । स्ति । स्ति स नर्भेरं ना दे व्यवनं उद्गार्य हे दे उद्ये के या नि हुन कि तर है या दूर राज्य न यान्यम्यति श्रूटा हे भूगमा हुना यें ने भ्रूट हो हैं संसम् कर छी हैं व हु हिना ্বর্ অব্মান্তর্গী র্মব্দের্মের মেন্ট্র্বান্নন্দ্রি নুন্ন কর্ देवे र्राट्य ब्रम्भूनवर्ष धुव्य वाक्यय वाद्य र्या ही। र्र्या वे अदुव क्रुं वंद र्द्य ही वंश्रायवि'ः वाव्यस्युः बेटः वो : केवः ये : चक्कुट् 'ग्री बा्यने वाब्यं ये वे : रेव 'ये : केवे 'व्रिः ૹફ્રાફ્રિટ બદ્યત્વે છે કે દાવસ શ્રુ સ્થિવચાર કે ગ્રું છે અંદ્રે કોંગ્રેય વર્ષેત્ર શ્રે ह्यंत्रं यं ऋष्म्याद्वा वार्ष्यंत्रः वर्षे स्थानुः वार्द्धवा वार्षेत्रं द्रदः स्थ्वं या विश्ववर्षियः च्चा ना दे अ क्री नाया अपना के दिन ना प्रति अपने अपनी वा नी ही है र के नहीं न क्षेत्रं प्रिंट प्रते श्लेट प्रचित्रं प्रयं या भी त्र क्षेत्र प्रवित्रं प्रवित्रं या स्टेर् वर्षियाचा देर के सर्देष्ट्र रक्षे यात विदेश हैं है ते क्रे या प्राप्त की यात विवास मा देवि द्वर्णायां में ज्ञुलाया ई हे 'वळ्टा' देवि द्वर्णायां गार हुँ 'ॲ्वा र्यूं व र्वे क्वर अस

त्र अहं या निकट क्षेच्य प्राप्त क्षेच क्

য়ৢঀৢ৾৾৽ঀ৾ৼ৾ৼৄ৾৽ঀড়ৼ৾৽ঀ৽য়য়৽ঀৢ৾৾৾৾ঀ৽য়ৢ৾ঀয়৽ঢ়য়ৣ৾ৼ৽ नभूर-वेश्वराविवायार्गा वालयाञ्चेवायायी है नर्श्वर नेश्वरायाया के क्रिवर ह्यें र चर्च्- भी व्राप्त संभव की वाचर्स्न म्यून म्यून मान्य मान्य स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्व यर्वर्ं देव उव सम्बद्धानि द्वार के के लिया है के लिया है के कि पर्रें र वॅशप्तविवाशया दे प्रवाची अवव र्शे र प्रधी प्रशासिक क्री सामित र्भअन्द्रपतः निद्रपतः र्वे प्रमूषं सूदः भेराधे भारते स्विषा सम्माणी नामर्भेरः वर्षायलीवर्षा ने नवारम् र्रमे वी सत्वं व व व व वि सुवं के वार्षाया रूप न्दरमे बॅमाबुदबानवे खुटमे केंब इसंबदिन में नदानवित ठर्न में से हिंदे इसर्पर पेंद्र या दे दवा वी श्वे रेंप ह वद्या वाद प्रवाद पर वी श्वेषपंद पर्वोद য়৾ঢ়য়য়৽য়ৣয়৾য়য়৾ঢ়ৢঢ়ঢ়৾য়৾য়ৢয়য়ঢ়ড়ৢৼ৽৻য়ৄ৽য়য়ড়ঢ়৽য়ঢ়ৼৼঢ়ঢ়ঢ়৾য় <u> দুর্গু রামরি রেমরা দুর্দা দুর্গাদ্ধী দর্শী মার্মর প্রথমির করি ।</u> वंग्रजान्द्र गुरु तिर्देन प्रते सूर्या पर्वेषे पायहे वाजाय प्रति हो निर्वेष ଐ୕୶୵ୠ୶ଈୖୖଌ୕୕୵୵୳ୖ୵ୢୖୢଈ୕୶୶୶୬ୣ୕୳୕ୢ୕୕୕ୠ୷୳ୄୖୠୄ୷୕୶୷ୡ୕ୢୖ୕୴ୢୠ୵୕୵୳୵୳୶୶୶ୄୖୠୄ र्श्वेपायान्य त्रामाशुरा ग्री दे निविद प्रियायान समय ठट ग्री भागा श्र स्वा नमुन् र्रु ह् निवेदि तमुन्या वस्याय पर्दे निवे तन्त्र सम्बन्ध र्रे ग्री बर्दर पर्वा दिव ठव स्प्रुप्ट प्रेंचूर पर पठकार दि प्रेंच स्व ह्या है ल्यान्यर पहुँद छ्र प्राचन स्वाम द्वी त्र प्राचन प्राचन है <u>ૄઽૣઌૺઽ૽ઌ૽ૼૺ૾ઽૢઽઽૣૼૹૢઌ૽ૼ૱૽ૢ૿ૢ૱ૹૻૣ૽</u>ૹૢૻૹ<u>ઌ૽૽ૢ૾ૺ૾</u>ૢ૽ૢૢઌૹ૽ઌઽૢઽ૽૽ૢ૽ૹ૽ૢ૾ૢૺ૱ઌઌૣૹૢ ॅर्ट.पविच. ग्रेशंग. २२ . घ्रशंग. २८ . ग्री . 'शैंग. ग्रेशंग. तं विप्रांग. तथा थे या क्षिट. क्रीपी. ब्रीन वेंग्रंबं रुट्ट न्हा विट पर दुं न्न ग्रेंदे क्रु ल नर्बे ने ने बुद नर्वन रे हिने बं <u>न्यूवास ल केवोबं संजूत संजयहें व सदे वे बास मुस्य के द द्वा । खेब दुर्दंब </u> णेंब्रुलं स्ट्रिं के स्टर्च व क्षेत्र के स्टर्च के स्ट्रिक के स्टर्च के स्टर्च के स्टर्च के स्ट्र *৾*৾ৡ৾৾৾৾ৡ৾৾৽ৡ৾৾য়৾য়য়য়৾ড়ৼ৽৸৾ঀৄ৾৾ঀ৾য়ৼয়৽য়ৣ৽য়৾৾য়৾৽ৠ৾৾ঢ়৾য়৽৾৾য়৾ঀ৽ঢ়৾৽ড়ৢৼ৽

<u>शूर अंत्रान भी पृ वया यह या मुक्त या श्रीनय संग्रहेते । वियापय पार सह </u> नर्हेर्-रेडिट वृंकेंग्रेन श्वाम द्वा हि. चहुन राजा है हे त्रे केट केंग्रेम मेर्ग क्र क वश्यं २८. ग्रु. श्र. जयं देर् टे. इप्रू. श्रैव् त्यया रूट् वार्षे व. वश्यं २८. ग्रु. लियः ज़ॸॺॱॹॺॺॱॻॖऀॺॱऺॎॗॻऻॱॼऀॸ॔ॱॻऻॱऄ॔ॱॿऀॺॱॾॖॺॱॸऻऀॱॶॻऻॺॱऄॺॱॻॖऀॱॸऺॹॸॱॱॻॾज़ॺॱ ॹॺॺॱज़ॱॿॖ॓ॻऻॺॣॸॺॱक़ॗऀॻऻॣॿॖॕॖॸॱॿॖऀॱॸॗॸॱऻॱॿऀॸॱॸॸॱॸॖॱॸॿॖॖऺॿॱॻॏॶॻऻॺ॑ॱॸफ़ॖॱऄ॔ त्रा चार्श्ववा जेर्चो चिट्र प्रदेश के दे हुन्न प्रतिवा तर जूर्वा या या का का जिल्ला हो है वे वे या नयवायान्त्र होवा श्रेनानवा विद्या श्रुया संयोग श्री वायुर्ध होवाया थे होते. য়ৢয়য়৾৽ৼৼ৾৽য়৾ঀ৾য়৾য়য়ড়৾৾ঽ৾৽য়৾ঀয়ৢয়য়৸ৼয়ৼ৾য়৽য়৾য়য়৾ঢ়ঢ়ঢ়ৢ৾ৼৼৼৼ नम्या क्रियायाञ्चीनमानु सक्ति। विद्यायन मेटास्टर्स्ट्रियास्याना .श्रम्बर्गः इम्, हुः युँ नुराया वे कार्ये हैं । इस्रबर्गः युवाया स्टर ઌૣૡૺઽૹૹૣૹૣ૱૱ૢૹૢ૽ૺ૽ઌૺૺૹૢૹૹઌઌૡ૽ૺઌૣૹઌૹૹૢ૽ઌ<u>ૢ૽ૹૢ૿ૢઌ૽૾૾ૢૢ૽ૼૺ૽ૼ</u>ૻૺ૽૽ૹૺૺૺૺ૾ઌૠ*૾*ૺૺૺૺૺૺૺ विश्वरं रतः इस्रवं र्वेट् र् नुबन्ध वित्रं स्त्रा चित्रं स्त्रा चार्त्वे वित्रं स्त्रा वित्रं स्त्री स्त्री स् त्वे वा भीवा निकार स्वार्थ रेटा विवार पर लिए क्रियं ने ट्रेक् ब्राप्त पार्श्व राजी नर्भन भ्रुप ग्री चोवाब होबार्सवाब केंब्र श्रेम चो अब हवे ग्रे भी नाम स्वर्थ रहेन है वार्वर्षानेदे ते सुर्द्राये देवा तृ स्कृतं पदे नुश्चेवार्षाय होता देवा देत्र व ता सुन्यां सु यक्षप्रा । बेर्यायन पार्ट अट प्रहेंद छेट प्रार्थिय स्पृत्य हुप्रार्थ को बेबबाया बुवाबाया द्वी दुर्वा ही राष्ट्री व हो व हो हो हो हो हो है हो हो है हो है त्ववाः । भूर्यः यूर्वर्यं यं स्वाँयं द्वो त्द्वि द्वार्गोर्वं सक्वें वा त्यं यहे व त च्यायान्त्रद्भुं द्वा ह्वेन ह्वा स्थाया रूप र्पा । द्वी तर्म् व र्गोव राक्ष्या वी ह्वा इय्याताःश्चित्याशुः यक्केत्। बुंबालेंब.चेट.कट.चर्ड्रेट.कुट.चाब्रुल.च.चेवाबाटवा.धे.चथ्च.तबा हा.ट्रा. ब्रेंब्रबर्ग (बुँवाबरम्बॉ देवाबर्थे:ड्री:ड्री:ड्री:ड्रांची:संचंन्द्र-प्यद्र-प्यवी:वी:द्रब:क्रिया

प्याया देत्तायापूर्व देयारा क्रूब श्रिट प्रेत श्रुप्त श्रुप्त श्रुप्त श्रुप्त श्रुप्त श्रुप्त श्रुप्त श्रुप्त राः इयंत्रां राञ्चित्रां सुं संकेते । वेत्रायदान्य मार्ट् यर नहें दार्चे स्वाप्ता स्वाप्ता द्रवा ति प्रतिन्त्र में बा अर्वेदि रहें विवादि वार्य स्वाप कें बाह्य है से स्वाप की सार्वा की सार्वा की सार्वा ढ़ॕॸ॔ॱॾॆ॓ॸॱऄॱॡॕॸॱक़ॗ॑ॱॹॖॱढ़ऺख़ॕॹढ़क़ॖ॑ॱॸ॓ॸऺॱॻऀॱॶॹ॑ॶॱॿॖॻॵॸॻॹऺॱॿॣऀॻऻॣॹॗॆॸ॓ॱढ़ॸॱॻऀॱ र्द्राची शुक्र केंब्र्य था विवाद प्रकाशी वे किंद वेट दे हैं दे अंक वार्दि व प्रवीवार्य केंब्रिक वट वीय ग्रट शे स्वायं पंदे प्रसूट ने स्वेतं र्ये रे श्वर पदि र स्वेवायं प होता · અર્ત્તિ ત્યું વાત્રાર્વિ : ત્ર 'સૂંત્ર' છે ન : ત્ર 'વેંદિ' અ: ક્રું અર્ત્ય છે : ક્રેં ત્ર ન : ત્ર્વા ન : ક્રું દ' એ : <u>૽</u>ૢ૽ૺૢ૽ૺઌઽ૽ઌ૽૽ૺઌૹૡૼઌ૽ૡૺૼૹ૽૽ૢૹ૽ઌ૽૽૱ઌૹૼઌૣૻઌૹ૽૽ૢ૽૱૽ૻૢ૽ૹઌૣ૱ઌૹૻઌ <u>८८, विज्ञयम् विट २००, पक्रियानक्षाम् के अष्ट्र, जयार्ब</u>्चेलायप्र यम्य अस्ति । अस्ति व स्ति । इत्र अस्ति । विश्वानि स्ति । विश्वानि । विश्वानि । विश्वानि । विश्वानि । विश्वानि । ૡ૽ૺૼઽ[ૢ]ૹ૽૽ઌ_ૻૡૹૹ૾૽ૺ૱ૡૣૹૣઌૄઌ૽૽૾ઽૣઽૢ૽૽ઌ૽૱ૢઌઌ૽૽૱૽૽ૣ૽ઌ૽૽૾૽ૼઌૣૹઌ૱ૢૢઌ૽૽ૹ૽૽ૢ૽૱ श्रैतयापर्ग्रे हिरी ट्रे.सेर.स्.स्र्र.हिंब.ध्रुहिंबे.स्र्ट्र.रे श्रेनवा.वी.पर्ग्रे वृट्या `पॅभ्रेन'य'के'न्येन्'र्व'न्यमायार्थेमक्यिते'त्रहेमुँख्याकेव'र्ये'ह्यून'यदे के नवंदिक्त में द्रिक्त देश र्राट मुर्छ मृत्यु के वर्ष के के दिन के मुर्वे के स्वर् ह्माना के अर्थे तर्दे ने यं भूरने संगठन हमान की देव मार्ट में र पेर पेर पर प्राप्त मार् ૹૢ૽ૺૢૹઽૹૹૢૹ૽ઌ૽ૼૹ૽ઽૢ૽ઽ૽ૐ૽ૼઌૹૹ૾૽ૢ૽ૹ૽ૼઌૼ૽૽ૢ૽૱ૹૣઌ૽ૺૢ૽૽૽ૢ૱૽ૡૢઌૡઽ૽ૢ૽૽ઌૣઌ૽૽ ब्रे_.श्चितवार्थः त्रक्री जित्रालयं चाराज्ञेरात्रेह्नेत् छटाच्रेक्यात्रं स्वावारात्रेत्तात् यंन्याराजा के वार्या बेटा मार्था रुंदा ग्री अपि के यारा प्राप्त के के वार्य मार्थ र्राम्वद्रं व्यक्षं उर्न् ग्री ृत्युक्ष क्षेत्रं व्यव्यक्षिया या श्रीम श्रीम व्यक्षं उर्न् ने प्र *৾*ৼৄ৾ঀ৾৶ৣ৾ঀ৻য়ৣ৽৻৻ৼয়য়৶৻৽ঽৼ৻ড়ড়৻ড়ৢঢ়য়য়ৣয়৻ঢ়ৢৼ৻য়ৼ৻ঢ়৾য়ৢয়৻য়ৣঢ়৻৸য়৾য়য় શુ : કુૈક્ સંવાય ત્રશે યા તરે . ત્રસ્ય ક્ષેત્ર ક્ષેત્ર શ્રીયા | ત્ર્રો જાન્ય ક્ષેત્ર સ્વાય ત્રીય . શ્રુક્ત સંવાય ત્રશે યા ત્રસ્ય ત્રસ્ય ક્ષેત્ર ત્રસ્ય શ્રીયા | ત્ર્રો જાન્ય સ્ત્રીય સ્વાય ત્રાય શ્રીય .

ૢ૽ૺૢઌ૱૱ઌ૽૽ૢૺ૱૾ૢ૽ૺ૽ૣૺકૢૼૼઌૹઌ૽૽૿ૢ૽ૢૢઌ૽ૺઌ૱૱૱ૹ૱ૹ૽ૢ૾ૺૺૺૺૺઌૢ૽ૺ૾ૹૢૺઌૼૺઌ૽૾ૢ૽૱૿ૺ૱ઌ૱ઌ ઌૹૹૹઌ૽૽૽ૹૹ૽૽ૺ૽૽ૢૼૼઌૹઌ૽૽ૺ૽૽ૢ૽ૼઌૹઌ૽૽૱ઌૹૹ૽૽ૢ૾ૺૺઌ૽૽ઌ૽૽ૢ૾ૺૹ૽ૢૺ૱૱ઌૹ૽ૢઌ૽ૹ पर्झें अष पर्या होन परि 'न्नेट' रेंदि 'ऒ' यथ 'न्ट 'दर 'गुर्डे कें पं 'दिन 'क्ट 'देंकें र्द्रावेद्राष्ट्रियाद्वराद्राष्ट्रार्थे । भ्राय्यावेद्रा चेत्रावर्षेया व्यवतः भ्रायाद्राप्ते *ঘ*রি 'হ্য'র্মান্যান্তর 'হামান্যতন্' শৌর্শুলা' ঘন্য ব্যানীর 'ছূলা' শ্লীন'ন্দ' ভূলা' বন্ধুনান্ধুমানত্ব, শ্বীদ্ধার্থ ধর্মান্ধুমান্ধুদ্র বিদ্বান্ধুমান্ধু नवायकाने वियवं न्यू निर्मात् वाया मुन्ति है । वियवं निर्मात् वा तरि ठर्म ने र सर्दे ते च्चे र पवि र्सेन्स सु अन् रहेनु रे र द्व सेट र्सूट्स धर गुर्श्वर्त्वायार्न्द्रास्त्रेत्रार्वेदार्वेदा पर्वतात्र्वात्र्वेद्वार्वे स्त्रेत्रात्रे स्त्रेत्रात्र्वात्र्वा র্বামন্যত্তব্যর্হামন্যত্তর্ব'গ্রী'ও্রানার্য্যুর্মীনা বামান্যত্তব্যরমন্যত্তর গ্রী'ও্রানান্যম क्चर्या ग्री : स्नेदै : पादवा राष्ट्रे : ब्रॅबर पर रापा शुद्धार पर राप्टे दि : ब्राह्मद : प्रेवा वा कुट प[्]रायदर दिनियान श्रेन पर हे नर्दु द थे ने बंकु य श्रेट द प्रयान ने र र्वेदे लग दशम्बुं दश्रें । ट्रे.यंबाश्रावपःपर्ग्ने.शःर्ट्र्ड्रे.वी.यःश्चें.क्वैट्रंज्यःवार्थयःवार्षःक्वैयःपरीवायाःवाराः लय लगान्त्र राष्ट्र वार्यायाया नर्गात्र राक्षेत्र वार्यायाया वार्यायाया वार्याया वार्यायाया वार्याया वार्याया ૹૢ૽૽૱૱ઌૹૢૻૢૢ૽૽૽ઌૡ૽ૺૹ૽૽૱ૹ૽ૢ૽ઌૣ૽૱ૹૣૼઌૺઌૣૻૺઌ૽૱ૹૢ૽૱૱ૢ૱૱ૹ૽૽ૢ૽ઌ૽૽૱ ૡૹ૽ૹ૽ૹ૽૽ૹ૽ૢ૽ૢ૽૽૽ઌૡ૽૽ૹ૽૽૱ૹ૽૽ૢ૽ઌ૽૽ૢ૽૱ૹૣ૽ઌૺઌૣ૽ઌ૽૱ઌ૽૽૱૱ૹ૽ૢ૽ઌ૽૽ૢ૽ૺઌ૽૽૱ ल र्हें दर विशेष अर्थेवाय शेल प्रें प्रेंबिद रें दिवाल के बुद र्श्वेष पर प्रमुवीय प्रे ॱॸ॔ॸॱऻ॓ ॸॆॸॱक़ॖऺॱॶ॑ॸॖॱक़ॾॆॿऺॱय़ॱऄॣॸॱॾॆॺऻॹऺॱऄऀॱॸढ़ऺॱॻॏॖॱक़ॗॕ॔ॱॺ॑ॺ॑ख़ऺॿॖक़ॱक़ॗॆॿ॑ॱऄॕॴॗॺॱ नेयानेयात्रात्रात्रे वयायात्र्यं भ्रानुति चुटाकुना ही व्ययाप्रक्षेत्रं पार्ट्या है <u>ୖ</u>⋛୶ଐ୶୶୰୕୶୕୳୶୶*୰*ୄ୕୷ୗ୕ୢଡ଼୕୵୕ୡୖୖଌ୵ୖୢ୶୵ୄୢ୷ୄ୷୷ୡ୕୵ୢୖୠ୷ୄ୕ୡ୳ୄ୕୷ୢୖ એ*ઽ*ૄઌ[ૢ]ઌ૽૽ૹૻૢૺ૱ઌ૽૽૽૽ૺ૱૱ઌ૽ઌ૽૽ૢૺ*ઽ*ઌ૿૽ૢૺઌૻૹ૽ઌૹ૱ઌ૽૽ૺઌ૽૽ૺઌ૽૽ गर्हें र न थे द है। बेसर्य पश्चेर न्ने प्रमास के प्रमास के द श्री के द में है द है हैं र ने से प्रमास के द से स र्पति र्देव वे र्ष्ट्र्या प्रमूश बेश पंर्य द्रिय प्राप्त के विषय के श्री प्राप्त के प्रा :वेटा हुना<u>न्</u>ष्ट्रेयं खेयान्य पर्देन्' साया हुन हो नर्ने नं नहुन स्राय्य स्टेन स्व ਹੁੰਡਾਕਾਨੀ। 'ਧੁਰੇ 'ਧੁਕਟ' ਭਗ੍ਹਾ ਧੁਰਕਾ ਹੈ। 'ਧੁਰੇ 'ਧੁਰੇ ਕਾ ਘੋ ਪ੍ਰਾਪਨ੍ਹੇ ਸੁਕੇ ਕੇ ਪ੍ਰਾਪਨੀ ਸ਼ੁਰੂ ਸ਼ੁਰੂ ਸ਼ੁਰੂ ਸ਼ੁਰੂ ਸ

त्यायायर र्वेष । देवायद पार सर पर्हेर देर खेशक पश्चिर भुगवा हवा ह

देशक्षेत्र हे क्षेत्र द्धारा है। या मुक्त शेयश ठक यदि मुयश हैंग या येदारा करा नरे न विंद तरेंद्र गुर्र दे ते हूं अन्ब्रुनर्य प्रांन्दे न इत्यं अविवादि स स्रनं यर तर्मा निः क्षु स्रोते स्यूर्ते स्यूर्ते स्यूर्ण स्वर्ण हिल्ली हिल्ली स्थानित नर्चयार त्युँ रे वर्षा वर्षे नेषानरे नार्दानरे नवे कू नुदास्व के के बारुदा ૹ૾ૢૺ૾૽૽ૢૄ૽ૢૢૢૢૢૢૢૢૢઌઌૻૡ૾ૺૡૢ૽ૺૡ૽ૢૢૢૢૢૢૢઌૻઌૹૹૣઌ૽૽ઌ૽ૹૣઌ૽ઌૹૣઌ૽ઌ૽૱ઌ૿૽ઌઌ ૹ૾ૢઌઌ૽૽ૹ૽ૢૢ૽ૢૢૼઌઌૡ૽ઌ૽૽ૢૢઌ૽ૹઌૹૹૣઌ૽ઌ૽૱ઌઌઌ૽ૹૢઌઌ૱ૹ૽૽ૢઌ૽ઌ <u>ਫ਼</u>ੑਸ਼ੑੑਸ਼੶ਖ਼ੵਗ਼੶**ਜ਼**ਲ਼ੵੑੑੑਸ਼੶ਸ਼ਖ਼੶ਸ਼ਖ਼੶ਜ਼ੑੑਖ਼ਫ਼੶ਜ਼ੑਖ਼੶ਜ਼ੑਖ਼੶ਜ਼ੑੑਖ਼ਜ਼ਸ਼ਸ਼੶ਖ਼ਖ਼੶ਖ਼ਜ਼ਖ਼ਜ਼੶ व् कु अ, यून्। मु प्रचित्र चर किन् हिन । हे , किं सी किंदा बर वेवर , बर्ट कें द्रिणतः चःद्रदः तद्देः ह्रुअषः ग्रीषः व्हेषाः अद्रे विषय्यदः हुँदः द्रे त्रेष्ट्रवः विषयः विषयः वि न्ने न्त्र्रा त्याद विवाय रेट न्नित्र्वं ए वर्ष क्वार्य सूट्य वीव यय ह्व स्रू ळॅम्बर्नबर्मबर्धरे नेवेट मेबर्झेन स्वेद्र नेन्टर् छिन् यर देव स्वेदे स्व नर्भूयान्यम् बेन ब्रिट्यान्य तर्मे । यदे इसमायन स्त्रे राज ने सेटान पत्रे र ब्रे क्वार्याच्यत्वी बिर्ययान्तर च्यार्यात्रेयान्तर क्रिया याप्तर विवास क्रिया नि ସ୍ୟୁଷ୍ଟ ନ୍ୟୁ ପ୍ରିୟ ନ୍ଧ୍ର । ସମ୍ପ୍ରସ୍ଥାନ ଅଧିକ ଅଧିକ ଅଧିକ ଅଧ୍ୟ ହେ । वि ठेंगाय रेट पर पेंचुट विशक्तिमा स्टूट के छिट धर घर घर बर्ज रेट ये से सक्ति য়ৢৢ৴৾৾৻ঽ৾য়৾ৢৢৢৗৢ৾য়য়৾য়ড়য়৾৽য়য়৾ৼ৾ৼয়ৄয়ৢ৾য়ঢ়য়৾৸য়৾ৼ৾৽য়৾য়ৼ৾ঢ়৻য়৾৻য়য়৽৽ র্ম্বুয়য়৾৽য়য়ৢয়৾য়৾৽য়য়৽য়ৣয়৽ঽয়৸ৢ৾৾ঽয়৾৸৻য়য়৾য়য়য়৾৽

ઽ૽૽ૣૻઌઌ૽ૺ૱ૻ૱ઌ૽ૹૢ૽૱૱ૡ૽૽૱ૣઌ૽ૺઌ૽૽ઌ૽ૹ૽૽૱૱૱૽ૹ૽૽૱ ૡ૽૽ૣ૽૽ૻઌઌ૽૽ૼૡૼઌ૱ઌ૽ૺૡૼઌ૽૽ૼ૱ઌ૽૽૱ઌ૽૽૱ઌ૽૽ૺઌ૽૽ઌ૽૽ઌ૽૽ઌ૽૽ૡ૽૽૱૱ઌ૽૽ૡ૽૱૽૽૱ ઌૹૢ૾ૢ૽ઌઌ૽ૺ૱૽ૼૹ૱ઌ૽ૺૡૼઌ૽૽ૣ૽ૼૹૹઌ૽૽૽૽ૡ૽૽ઌ૽૽ઌ૽૽૱ઌ૽૽૱ઌ૽૽૱૽ૺૹ૽ૺઌ

यं धेवं वे।।

यंत्रै : श्रेवा : श्रेव : यस : तें द : यस : रेप : देश : देश : प्रेव : रेप : यः ब्रुट्रल विषयः येदः यदे यदे यासुन सुया के विषयः विषये हैट कर् येदः पवि यापीवर्षापराग्रीर सेंदासूधार प्रेंचे से मान्दर सूँधरा वि प्राप्ति सर्वे प पर्हेग्नर्यं ते र्केस मुँ इस ग्रम्स मुँट ख्वा संस्थान्य दे दे खूँ दे त्यं स्त्रुट प्र *ॱ*ॳॣॸॱॹॖऺॱक़ॆॱॸॺॱॺड़ॖॻॱॸॖ॑ॱॸॿॎॻॱॖॻॵज़ॗॸॱऻॗऄ॒ॸॱॿॖऀढ़ॱॿॖऀॱॺॸॕॎॱॸ॔ॸॱॺॸॕढ़ॱ र्य देवाबायते क्रुव त्यंबाइमा हेवाबाक्षेर पते हॅं र ग्रे न्नावा सं अवसायते बोर्या क्रियाना प्रत्याची र वार्या स्थार हिंदित अव र वा वो वा बोर्या क्रियं वार्य हिंदी <u>ॱ</u> र.पर्जे.८क्ष्यतंत्रा ह्वा.धे.८क्ट्रेंट.श्रेनब.कैट.। ब्रुश्यः व्याध्ययः व्याध्ययः व्याध्याः ক্রবারান্ত্রনে, বার্র বার্ন নে হিন্তু নার্ন ক্রের বার্ন বার্ন ক্রেন হিন্তু বি यः र्ट्रेव ५ ज्ञूर्यं वर्ष वर्षे वर्षेव यदे सुवा चित्र ग्रुट र्येन यस वाट र्वेष ही है : ব্যান্নব্যুক্ত শ্রী থেষ্ট্রপ্রান্নব্রুষ্ট্রেষ্ট্রপ্রান্নবি ন্দ্রপ্রান্নবর্ষ पंज्ञप्याने। वादावीयाहेवानेपालेयावीयायादिवा विवाधीयानेपालेया विरागवर्शनिताब्रे ने रां श्रुवाद्गरेया यां भ्राह्म अंतर्गी वार्यन्त से वार्याय वि चर्तः प्रश्निषात्र क्रांत्रुं । विकायक्रियः चार्तः प्रश्ने स्वार्तः विवायः विकायः । चर्तः प्रश्निषात्र क्रांत्रुं । विकायक्रियः चार्तिः स्वार्तः विवायः । विकायः । चुकार्यायार्द्वेतार्के नर्तुव खातेयान्तुव यान्तुवे यो विव नर्वा गृह्वे र ग्रुप्त यात्या र्देव के व रि ग्वास में व व विद्यास में कि है। से स्व प्रति के विद्यास में कि कि सि स्व प्रति के विद्यास में क स्व प्रवार स्व हिनाया में व व विद्यास में कि सि स्व प्रति कि सि स्व प्रति स्व प्रति स्व प्रति स्व प्रति स्व प्र ळॅमबाबिटाइब्र्यूप्रेंक्नं यंबाधबंबूरुट्येंद्र्यं दुव्यं धुवाद्याया व्याधिया . हुन'न्नर रूरं ने श्ले दु अंकअल सु विअप्त सु हुँ दें हुँ दें हुँ स्वरूप नहीं ने से स यं नुर्दे । यहु गार्न देवो ना हु यस प्रचर पर होते पर सैंग्रीय ग्री हो देव गावस <u> भुन्यान्त्रः अवन् भुन्यो चे ब्रुवे ज्ञान्या ह्याया स्वार्था या प्रार्था या व्याप्त</u> स्वार्था स्वार्था स्वार्था स ষ্ট্রব'এর'স্রিক্।।

१ रेश्चित्रकासुःस्ट न्यदे स्वरास्त्र

<u> ५८:ऍॱढ़८:पःब८षःक्रुषःपरःॡ५:पःदी। श्चेरःष्ठेःपः५८:द८:पदेःष्ठ५:</u> मन्न तहें वा स्तृत्वे स्त्राप्त होते र से प्रमाण स्त्राप्त होते स्त्राप्त होते स्त्राप्त होते स्त्राप्त होते स स्त्राप्त ૹૄ૽ૺઌ૽૽૽ૣ૽ૼ૱૱ૹૻૹ૽૽૾ૢ૽ૹ૽૽ઽઌૣઌૺ૽ૹૻૺઌૹ૽૽૱૽ઌૼૹૹ૽ૢ૱૽ઽૣ૽ઽ૽ૹ૽ૹૢઌૹઌ૽ૢ૽ઽ૽ઌ૽ૼઽૢ૽ૹૢૼ૱ *₹*૱ઌઃઌ૽ૣઌ૽ઽ૽ૹૄઌૹ૽૽૱૽૽ૹ૽ૺૼૡ૽ૺૐઌઽ૽૽૾ઌૹૡૢૻઌ૽ૻ૽ઌ૽૱૽૽૱૽૽૱૽૽ઌ૽૽૽ૺઌ૽૽ૼૺ૽ૼઌૼ૱૽ૺ <u> લૈવા વર્ષુ ૮.૨.૪ તેવના ફેં.સેં.જે ૪.૨.૪ અત્રાચક્ર દ્યાં ગું અત્રું વર્ષે ૧૮૪૫ કરાયે.</u> ญ่ส่าสู่ दश मोर्से पायबित र्ह्सेपायदि : क्रुपा स्टेंपा प्रतित : क्रुपा स्टेंपा प्रतित : क्रुपा से स म्बिम्बर्वा वर्षा भ्रम्या तर्मे त्या तर्म वर्षे हैं है को भ्री र तर है कि वर्ष में हैं र प्राया ಹ৾ব·ᡎ৸৴৾য়ৣ৺য়ৣয়য়৸৸ঀৗৄ৾য়৽৴৴৽৸য়৽৸য়য়৾৽য়ৼ৸৾য়ৢয়৽য়ৢ৾৸ৢঢ়৽ড়৸ <u>ૹ</u>ૢ૽ૹૹૢઽૢ੶ઌૹૢૢૢૢૢૢૢૢઌૻઌ૽ૺ૾ૹ૾૽ઌૄૻૢૹૢૻૢૢૢૢઌ૽ૻૢ૽૽૽ઽ૽ૣ૽ૺૹઌૢઌૢઌ૽૽ઌ૽૽૱ૹૹ૽ઌ૽૱૿ઌૹૢ૽ઌ૽૽૽૽ૹ૽૱ र्ये हुट रें।। ब्लिय द्वी प्रति समित्र के बार्य र क्लिय विद्या विद्या विद्या विद्या विद्या विद्या विद्या विद्या *ॱ*क़ॣॸॱॸग़ॖॸऺॱढ़ढ़ॸॱढ़॑ॸ॑ॱॸॖॱक़ॗॖॸॺ॑ॱढ़ऄॕॗॱक़ॗ॔ॺ॑ॱॸॻऻॱऄॻॱऄॸॱक़॓॔ॱऄॖॱढ़ॕॸ॓ॱऄॕॱढ़ॾॕॣ॔ॺॱ र्दणा पाँदेश पेहद र्विया अर्राम्य मिया अर्थिया र्वे देवा है। सर्दर्श क्रुश पेहूर्द रादि हों

मनिषायः र्श्वेअप्याध्यक्षक्षारुप्तात्तीः हेवापुरायात्वी स्वार्ट्यायाया

શુંત્ર પ પીત્ર તેં 🛮 લેશ ૧૮ ૮ 🌣 સ.ત્રો વર્ષિ વ.ત. ત્રોક્ષ ત્રાપ્ત સેવા માને સ્ટામ ૹૢૢ૿ઌૹૹુઃૹ૽ૄૹ૽ૼઽ૽ઌ૽ૹૹૺૢૢૢઌ૽૱ૹૄૼૹૄ૽૱૽ઌ૽૽ૼૼઌૹ૽૽ૢ૽૱૽ૢ૽ૢ૽૱ૢૢ૽૱ૹ૽૾ૢ૽૾૽ૢ૽૱ <u> ऍॱपासुटराने। सर्चेत्रः अट्'ल्रंटः पाटं त्रदेनसं ग्रुटः रूटे क्वेंट्रः ग्रुं 'लेटः सं रे</u> ઽૺૼઌ૽ૼૺૹઌઌ<u>ૢઌૼ૽૱</u>ઌઌ૽ૡૢઌૹૻૄૼ૱ઌ૽ૹૼૹૼઌ૽૽૽૽ૢ૽ૺ૱૱૱૱ઌઌ૽૽ૺ૾ૹૢઌૹૡ૽ૼૺ૽ઌૺ विशंसि दें दें वं प्रेर दें प्रेव दें। <u> पश्चित्रायः क्रिंत प्रवापायाय हे पा क्षेत्रा चर्</u>या स्टाप्त स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वापत स्वापत स्वाप्त स्वापत स्वापत स्वापत स्वापत स्वापत ळे दुः सं त्या विषु रहे हु विषय दे र ति शुरे र विषय है र दे विषय विषय है हु विषय विषय है र यार्थेट्य.पे हैं व.त. कुच त्र. कु नियाय्याट्य. प्रांतु वीलट कर किट ट्रे. विया चंतरः भ्रुन्तेर्गेव अर्केग गंशु अ ग्री । बच्च या तं कर नु र्येन पते नु व यु ने र ह्री त्वोत्पः द्वां दे 'त्रहे वांबं यं 'दे 'त्रबार्यर या त्याँ वाबाँ बेदाया वांवाया है वांबाया <u> ક્રી ફ્રેન્ડ્રૅલ્ફ્રના યથા ફેર્માન વૈત્ર ફર્સાન ક્રાપ્ટના | દ્રયત વ્યવ્સ</u>ે वृश्यप्रहेवार्यस्य क्रेवं स्रेप्ता । वृष्ट्यानहेवं वर्षास्त्र ग्रीशं र्श्वेयप्रग्रुप्ता । दे^ॱॱथॱचणॱठंदॱइयबंॱग्रीबं'ठींबंधी चहेता। वैबं गसुटंबरा ख्रेंटः दें। चति य चर्त्रम् वस्रमा चुनम् प्रमानि । वस्य मासुस्य पर्यु ढ़ॖॕढ़ॱऻॱॿॖॱॺॾॕॱक़ॆॺ॑ॱय़॔ॱक़ॖॱऀऄऀॱॺऻॸॆॸऻॱय़ॗऺऻ॔ॴॱॿॖॏॹॻऻढ़॑ॴॸॸॱॻऻॿॴऄऀॱक़ॗ॓ॵ। ढ़ॖढ़ॱऻॱॿॖॱॺॾॕॱक़ॆॺ॑ॱय़॔ॱॹ॒ॱऄऀॱॺऻॸॆॸऻॱय़ॗऺॳॴॿॹऒॶऒ प्रथम के विष्य । देश राष्ट्र के अग्राट प्रथम के विष्य । वस्याय राष्ट्र राष्ट्र र શ્રી છુત્રા હિંગ ને ન કુલ ત્યા વાલે વાંચો છે. અર્જે ખંચા જે જે છે તે છે તે છે તે છે તે છે તે છે છે છે છે છે છે निव प्रिमेश्या प्रिमेश के अंदर्भ की के अधिक विश्व के स्वर्थ के दे के दे के दे के दे के दे के कि के कि के कि के ने नेविदं मेर्वे मुन्याया व्याप्य मुन्याय प्रमानिक मेर्या विद्याप्य मेर्या मेर्या विद्याप्य मेर्य मेर्या विद्याप्य मेर्या विद्याप्य मेर्या मेर्या विद्याप्य मेर्य मेर्या मेर्य मेर्या मे ૹ૽ૢ૿ૹઐ૽*૽*ૹૢ૽ઌ૽૽ૼઌ૽ૼૢ૽ૺ૱ૡૢૼઽૹઌ૽૱૱૱ૣ૽ૺૢૻૹ૱૱૽ૢ૽ૼ૽ૢ૽૽ૢૡૺૹૡૢઌઽઌૣૼ૽૽ૢૼ૽

<u>ฟินฆ.ผิ.หมู้.น.</u>ิรท_{ี่}ม.ส.พ.ต. รู้ท.ก.กะ.ะน.ก.ร.ยะฆ.ก.ธทฆ.ดะ.ห.ฟู้ะ.

सर्केवाची प्रवापन वसला में खुर र्वेदर प्रकार में का की मिया पर प्रवापन की स्वर्ण प्रवापन की स्व યર'મેશુદશકો ફ્રેં'મેંશએ' ૩૬' યહે' અર્જે' યશ્ચ ગુદ એ ૩૬' યહે' ક્ષુ 'ર્જે હો' <u>ଖ୍ୟସକ୍ଷ ୫୯.୧. ପ୍ରିପ କ୍ଷୟକ ହେ ଅଟି ଅଟି ଅଟ ଅଟି ଅଧିକ ଖିଲି ଅଟି ଅଟି ଅଧିକ ଖିଲି ଅଟି ଅଟି ଅଟି ଅଟି ଅଟି ଅଟି ଅଟି ଅଟି ଅଟି ଅ</u>ଟି યર'ર્વાશુંદર્શય'4'5દ્ર' ફ્રાયઢંત્ર'વર્ડ્સો | દેશતું વર્શેન્ ત્રુશ્રંત્ર શું છે દેશ *অর্ভু*র্নমান্ত্র:ঐ*ব*:ঘ'র্ন্ট'ব্রমার্কিল্যাল্ড্র্র্যার্কির্বের ইমান্ট্রার্ক্তমান্তর স্ট্রা कुलचेंदे;अर्दे लेबा। ब्रेन्ट्रं पठकंपदे दहेगाहेव वा रिगेंद्र अर्केन गर्सुअ र्थे अपिर्हेन्यक्ता । प्रेंद्र ग्री माद्रकारमार प्रेंद्र अपीदी । विक्रे की । र्थं रा रव तर्गेर शे भूर र दी अर्र यथा गर र ग अर य कुरा भूरय र्देट या वे दे दर्वा दर्वे त्यूं दे रे वर्षे के त्यू दी विश्वी की की की कि का बुध हो है न्वाः भ्रे भी त्रे के त्र्विनं स्त्रा विकार्केक नद्द न्वी तत्त्र व्यत्र स्त्रुद विकार्षित्व ઌ૽*૽*ઽ૽ઽ૽ઽ૱ઌ૽૽ૼૼ૱ૹૢૢૺૹ૽૽૽૽ૢૺઌ૽ઌ૽૽ઽ૽ૺ૽૽ૣ૽ૹ૽ઌૢૼ૱ઌ૽ૢૼઌૼઌૻૹૼઌૺઌ૱ૹ૽૽ઌ૽ૼઌ૽ <u> વર્લ્સ કે . તૃથા શેમ ટ્રેન્સ ન્યૂપ વર્ષ કર્યો સ્વર્શ્યા કર્યો કર્યો કર્યો છે. શ્રેમ શ્ર</u> यंद्र.यद्यः मुत्रं ग्री: संदयः मुत्रा । छों यद्रें: यद्यः मुत्रः यंद्रदः ये प्रोत्रा । प्रदः ঘই্ট্র্ব্যুর্যায় ঘট্ট্রের বি यह्नीयात्रयाश्चितात्रवे अहित्यवयात्री । द्रियाक्षेत्रत्रे प्राप्तयाश्चित्राहि । । श्चेत्रादे पर्दे र्पे अपवादिन्। श्चेत्रादे अर्केन युरु अर्थेदाया। श्चेत्री रे जु.चु.चक्ट्रेय,चय.क्रिट.। बिंबा.चृर्ह्यूजं,यीय,जय.शु,ज्र्र्यूज,खुट., विदः,क्रु.बट. विवा'सर्स मुर्सर्ट्र | किंसे र्रट्रेग दर्ज दर्ज मुनसर्सेट यो । विवाय दस्त क्षेत्रयन् । सन्तर्भव विकासार्य । विषयित्रयम् । स्वित्रयम् । विकास्य । स्वित्रयम् । स्वित्रयम् । स्वित्रयम् । स्वित्रयम् । सन्तर्भव । स्वित्रयम् । स्वित्रयम् । स्वित्रयम् । स्वित्रयम् । स्वित्रयम् । स्वित्रयम् । स्वित्रय અર્જેન નશુંચ અર્જેન પ્રત્યા વિદ્યુગ સું જે વદ્ય વધુ નો નામ શુંના કું અર્જે તે :

वटःवं गंवकर्यते ग्र्या । पर्नगं गोबन्दर्तुत्यः केटः तदे 'नं परं पर्यों क्यां । क्रुं न्दरः

ସାସଦ ଦାସମୁଁ ମସ୍ତ ଆଧା ସଶୁଦ୍ର ସମ୍ପର୍ଶ ଅଧିକ ଅଧିକ ଅଧିକ । ଶାକ୍ତ ପ୍ରଶ୍ର ଅଧିକ ଅଧିକ । ૱ૺૢઌ_{ૻૹૢ}ૹૺૹૻ૽ૼૡ૽૾ૺ૾ૣૣૣૢૢૢૢૢૢૢૢૹ૽ૹ૽ૹ૽૽ૢૹૹ૽ૼૢઌ૽ૢૹૹ૽ઌૡ૽૾૽ૹ૽ૺ*૽*ઌ૽ૺૢૻૼ૱૱ૹ૽ૼઌૢૻૹ૽૽ૢ૽ૼૢૼઌૡ૽૽ૺ र्पञ्चेतु विषा र्या श्रे श्रेषीयापरि रेत श्रेषाया आपेत विषा पीया हुर विषाया प्रीप्त त्तिःक्वः प्रेर्मेत् अर्क्वप्यः सुन्यः सुन्यः सुन्यः सुन्यः स्विष्यः पर्विः अपित्रं यार्ष्यः यार्ष्यः यार्ष्यः य यात्रपान् प्रे स्वापंत्र अक्टर यहूर यहूर तथा देश तथा संस्थान के त्या है है. या स्वापंत्र में स्वापंत्र अक्टर यहूर सहीत स्वापंत्र स्वापंत्र स्वापंत्र स्वापंत्र स्वापंत्र स्वापंत्र स्वापंत् ૄ ૹ૾ૹૹ૽૱૱૾ૹૢ૽ૣ૽૽૽ૹૹૢૹ૽ૼઽ૽૽૽ૹઌૹ૽૽ૼૼૢ૱ૹ૽ૹૹૢઌ૽ૹ૽૽ઽ૽ૺૹ૾૽ઌ૽ૹ૽ૼઌ૽૽ૢઌ૽૽૽૽ૢઌ चूर्यर विश्व मुंग्नी नियर विश्व क्रिया हो हो हो हो हो हो हो है है स्वाप्त क्रिया हा स्वाप्त हो हो हो हो हो हो ह ন্টানা বর্মিস রম্ভাশুর ঘরি মী ভিন্ন বর্মমান্ত হর্ম স্থান রেলুবা। উন্সং নিশ্ <u>જાતે 'શ્રેદ'ર્ચે' તે વિંદ' ત્યેં નેસુ નવે અર્દે 'ત્યના તદેવાં કેતુ 'દ્વા તે 'વર્દુ 'લેદુ' ક્ષેત્ર</u> या हिंगाव नर्गोव अर्केंग अर्केंट जंब दर्शन नवी है नंब ने हैं हैं हैं हैं *ढ़*र्देंद्र प्रमा दर्मेंद्र अर्केन अर्केंद्र याह्या हु पर्केंद्र हो । बेबायदे क्षेत्र योगवा ळॅॅवोर्चा सर्वाचं रेट्रे 'त्यू दार्चा प्रमेति' सर्ळेवो 'वि' दर 'रेवो 'वेर्चायर पोसु देवाओं । तम् न्यायाः विकासी विकासी स्वापना स्व यर ठव हे दर्र राष्ट्राप्त पर यह या वेषायया वितायर ठवे या होता या देवा वे द्रैट र्चर्-श्रे वैंगवायर तकेट कुर्वे। विवागबुटवं हे। कुर्व व्यवस्करा सुर्वे वासुअं र्सेवास्तरी विंअःपदे वादसायसा इट्सिने अर्धे रेसिनी प्रेंद मदिन *ॸऺ*ॸॱख़ॖॺॱॳऄॱक़ॆॺॱॻॿॸॱऄ॔ॱॳॱॻऒ॔ॸॱॺॺॱॸॆॳॱॻॏॖॖॺॱऄॱॻऻॺॺॱॳऄऀॱॿॖऺॸॱऄॸ॑ॺॱ ঐরের্বীর্ন'বর্বীর্ঝয়'র'বাস্ত্রুহম্বায়'বৃহ্'বাব্রব্র'বের'ব্রীহ'। বি'রেমম্বত্রত্র'স্তুহ'

द्यापः तर त्रीरं रान्ता स्वाप्त स्वा

८८। देषु चन्नयः ग्रुंक्संन्यः स्पर्टा (तुर्ग्ने) (तुर्ग्ने सम्बद्धः पर्ट्या स्याप्तः स्याप्तः स्याप्तः स्याप्त सः प्रविद्याप्तवः ग्रुंक्यः प्रमुखः स्याप्तः स्याप्तः स्याप्तः स्याप्तः स्याप्तः स्याप्तः स्याप्तः स्याप्तः स् सः प्रविद्याप्तः स्याप्तः स्य

श्रुंट र्याय के वाबाबोद र्या द्वेवा व ग्रुट र्दे।

< ଐଧିପଶ୍ଚ ଓଣୁପ୍ତ :ପଞ୍ଚିପ: ଗ୍ର

में त्यान में निया की काम की की निया में की त्यान में की त्या की निया में की त्या की निया में की निया

র্ম-র্মির-দন্ত্রদ:চ্রা

रट.चू.ज.चेथुब्रा रेचवा.तषु.चश्चय.चे.रटा श्चिय.तषु.चश्चय.चेपूरी

र्वावा.गषु.चश्चराची

८८.सू.सू। श्री.८४.लब्तं पर्यात्तर्याताला योट् विचा योश्रीतालासीयालसूरिया [ुरे वे प्पट्रम् र्नि महेबर्हे]] वयर्त्यर खूं वे मविव र्नम्पा क्रिन्य र्शेट्-चं-बःधिदं दें। दबर्यदे केंब्राचा भुवनात्र्ये व विदे विदे विदे विदे षर्ग्रेचकंतः श्रवे। | वृषःचार्थेट्यःचः क्षेत्री यट्यः क्रैकं जः श्रेच्यः श्रेः स्टः चयः अञ्चयः ट्रेटः चृष्। | देवे रिट्ये राजटः श्रेच्यार मुंख् । श्रेः श्रेच्यः वृष्टे ह्टः वहिर्मा हेद यदी 'श्रें भागितंद ग्री मुर्चक की वर्के भी देव दें कर के या नद नदर त्रवास्त्रवास्त्रवास्त्रवाहित्या । स्त्रवास्त्रवास्त्रवास्त्रवास्त्रवास्त्रवास्त्रवास्त्रवास्त्रवास्त्रवास्त्र स्वास्त्रवास्त्रवास्त्रवास्त्रवाहित्याः स्वास्त्रवास्त्रवास्त्रवास्त्रवास्त्रवास्त्रवास्त्रवास्त्रवास्त्रवास्त श्चै जु न खुत्र दे दे वे र्श्वेग जिल्पा अर्था त्या अर्थे कि स्वित के स्वित है ज द्रचुण्यात्र के द्र विदर्भिकी केंग्र पश्चित्र केंग्र के केंग्र पर से ही दर्भिका विदर्भ देवर पति चुकु पायमा सर्देश केंग्र के की विकेश्य पर्मा है पति व लुच त्रमा नर्धितः चित्रं अत्रमः क्ये जात्त्राचूर्यः कुर्मुद्धः सुटः सुर्धः सुर्यः म्यान्यः क्यः ग्रीः विष्यः क्रुम्यः सुर्यः सुर्वे सुर्यः सुर्यः सुर्यः सुर्यः सुर्वे सुर मविट र्सेपास र्येपास रावे रक्षेंस या धीन प्रमुव है। तकता ने वे तन्त्र या सुने स . बुं-ब्रॅट्र-चर्यःर्चेवार्यःशुः श्रेवायः ठदः दट्टे शे 'दर्चेवायः वेट'। यंत्रं दर्ज्ञेवं त्यः येदः श्रेरः श्रे

म्नुपःपदेःपश्चपःग्र

यात्रेयायाः भ्रम्पायते प्राप्तान् । वाद्यान्त्रायाः भ्रम्यान् । व्याप्तान् । व्याप्तान् । व्याप्तान् । व्याप्त अर्दे श्रुवं र गुरु र ने के र ने जी र र ने जी र ने श्री र र ने जी र ने श्री र र र ने जी र र र र र र र र र र र र क्रिंगर्द्भेत्र्यं सैंगुक्त क्षे सेंह्र्न्य ते र्र्र्ट्य ग्रेक्ष्य स्वार्थ है त्रित्र में क्षेत्र स अर्वेट्र पंभीत ग्री सूँव पति वुंबार्य से निर्मं से व है। बर प्रवंबारी केसब र्नातः स्थानं त्रां मंद्रमं क्षा की सिन्दर्ने सम्त र्ना मिन के ने से मुन्तर में निमान यहरात्रायर् हे क्वर तया वर्षेट्यं में । देवार्य प्रमें दूर क्रु स्वे क्रिंयरपर सुनर्वा धीया बर्किन होते हैं वर्ष निवासे हैं स्वेतर सुनर स्वार है स्वेतर त्रु विविध्यः भाषाञ्च वायात्री द्रायाया हुन्। विश्चेर्याताः हुन्दर्याया यमुं अर्कें न्। र्डें मं गुर्बु ट्रमं में ट्रम यदे कें म के गमबे य बिग प्यंत कर य त्व्रा स्वा, देट अ है। द्रा ता रहें वी ता दिन ता निर्मा है। दे वी ही वी ही वी की ही त ॱॸॕॱक़ॗॱॻऻढ़ऻ॔ॸॱख़ॖॻ॑ॹॱय़॓ॱॹॖ॔ॸॱॿॸॕॱॾॗॗॕॸॹॱय़ॱॸॕॱक़ॕॕॖ॔॔॔॔॔ॹॱय़ॱढ़ॻ॑ढ़ॎ॑ॱॿॆऀॻॱक़ॕ॔ॳ॓ॱॸऒ॔ढ़ॗ॑ॱ ब्रुंबर् सुराक्ष्यां स्थान के स्वापन के स स्वापन के છું :ગુર્કે ત્વાત :ત્રાસ્ટ્રી | નુચર વંચે લેંદ્રે વચાવ ક્રેચેંચ છું . હુંવ કેન હવા |

શ્ચૈદ્ર-પ્રતે ત્વર્ફેન્ટ્ર-પ્ર:ક્રેબ શ્રું અ વર્ફેન્ન પ્રતે અર્દ્ધેવ | વાશુદ્ર:અર્દ્ધેવ ર્દેઅ બ ચદ્દવા: त्रे^{-भू}पबःशु⁻यकी। विषःकेंबःनेगेंद्र्नं यकेंपाची र्घन्-न्,खरःची केंबाची हिन्ने *(*देनै'र्मे'न्में बादे ने प्रकेश देने कि अर्के के प्रकेश हो के कि अर्के के कि अर्के के कि अर्के के कि अर्के के कि ॲंकेॅम'दंहेमबाये*न'न्न*टार्येयमधुटबार्या ૬ૺૡૢઽ૽ઽઽઽ૽૽૽ૺ૽૽ૄૢૢૢૢૢૢૢૢૢૢૢૢૢઌ૽૽ૼૢૼઽઽૣઽૹૢૢૢૢૢૢૢૢૢૢઌૢઌઽૹૻૹ૽૽ઽૣઌ૽ૺઌૣ૽ૹૢૢઌ૽ૡ૽૽ૢ૽૱ઌ૽૽૾ૺ૾ૢૢૢૢૢઌ૽ ૡ૽૾ૺ૾ૡ૽૾૽ૺ૱૱ૹ૽૽૱૱ૹ૽ૢૢૺ૱ઌૡ૽ૺ૾ઌ૽૽ૼઌૼૹઌ૽૽૱ૹ૽ૢ૱ૣઌઌ૽૽૱ૢ૽ૢ૽ૺઌૹ૽૽૾૱ યમાં ચંઘલે જેંચ નર્ગોન અર્જેના ને વર્ષ્યયમન નર્ગે માટે ન્ક્ય છું. ક્ર્યુંન જુંનાચ ને **ઇસ**ંફ્રીંદ વૃત્તે જ્ઞુદ્રના પંતુ કૃત પૈત્ર કૃતુ કુંગુના તે જુના કુત પતિ ફેંગુના પાંતુના र्वेदःवयर्षेदःरु:छिर्:ब्रवीयःधर्यःर्वेद्ःयःथःदर्देवाःवीःदैः:ययःवविवःर्श्वेःसुर्यःरु: त्यं चूर पा श्रीव की । वे बँगां सुर सम्प्रते ' श्रीना द में 'त्यं के ' त्या भ्रुपं सं सं ' सेंट ' व बँ द्वी त्रुव ग्री मंगूबार्य या त्रक्रा पायत कर्म व्यवस्थित हो स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्व विस् । द्वी स्वाप्त स् न्रंचेत्रं त्रेशं क्वेंतरनरं होन रांते र्चे्नायरने त्रुवरने तर्ने ते स्वार न्यंतरं ঀৡ৾৴৾ঽ৴৾ঀ৾ৡৢৢৢৢৢয়৾৻ঀ৸ৼ৾৻৶ঀ৾৾ৡ৾ৼ৸৾৻৳ড়৾৸৻৾৻৻৻৸৻ঢ়৾ঀ৽য়ৄ৾ৼ৽ঀ৾৽ৼঢ়৽৻ तकूर्यं प्रत्यत्ये प्रहेत् । या हेर्ना प्रक्रें वा क्रिन्य प्रत्ये क्रिन्य प्रत्ये क्रिन्य । या क्रिन्य प्रत्ये ૡૹઌૢૻૹઌ૽૽૾૽ૡ૽ૺઌ૽૽૱૽૽ૼ૱૽૽ૼ૱૽ૣ૽૱ૣૻઌ૽૽૱ૢૢ૽ૡ૽ૡૹૹૡ૽૽ૡ૽ૺૡ૽ૢૺઌઌ૽૽૱૱ - ५८ | ब्रिट र्सेट अर्दे | ज्लेन श्लेट र्सेट रोट रोट र्सेन्स राज्य मुर्देश प्राप्त हैं ૹૢૺૼૣ<u>ૢૢૢૢૢૢૢૢૢૢઌ૽ૼૢઌૻ</u>ઌઌઌઌૣૹ૿ઌ.ઌ૱૮.ઌ૮ઌ.ૹ૾૾ૺઌ૾૱૽૽ૼૹ.ૹૹઌૣ૽૽ૢૺૺૢઌૹ૽૽ઌૺૺઌ *र्न्चः ज्ञुद*ःषी ह्रेषांबार्र्डबादळेटः चत्रदाःबादबाज्ञुबार्बेबार्यः व्हुवःळदः शार्चेशान्तरः वार्ये दूर्यात्र प्रत्य स्त्य स्त्य स्टा के या देश वाया ही हों स् राज्य वाया या वाया है वा चीन *ॸऺ*ऻॕॹऒ॔ॗॗॸॎॻ॓ॱय़॔ॿ॓ॺॱॺॣॕॿॱय़ॱॸ॒ॸॱॾॖॖॖॗ॑ॳढ़ॎॏॗ॔ॸॱय़ॱक़ॆॿॱय़ॕॹख़ॗॿॱय़ॱॿ॓ॸॱय़ॕॱॸ॓ॱ तर्वेकित्त्रं युन् सूर्य स्तर्य श्रुप्त स्त्री युन्य स्त्रुप्त विश्व स्त्र स्त्रुप्त स्त्र स्त्रुप्त स्त्र स्त्र *ৠ*য়৾৽ঀয়৽ড়য়য়য়ৢয়৾৽ৠৢয়য়৽ঢ়য়ৼ৾য়৾য়৽য়য়৾ড়৾৽ড়ড়৾য়ড়৾য়য়৾য়য়য়ড়ড়ড় <u> इब्रब्ग ग्रुट्रेन्ट्रा पाळेब्राळे राण्याचे प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प</u>्रा ସୁ.ଏକା ୫.୯૨.ଘ.୩.୯୬.ସିକ୍ଲମ । ୯ଅକ୍ଲସି.୪.୯૨.ଧୂପ୍,ମ୍ୟ.୯୬୮ । ୫୯.

ধ্বৰ র্মিন দ্বী নম্মন দ্বা

प्रियम् स्त्रम् । वित्तरम् स्त्रम् प्रियम् स्त्रम् स्त्रम्

म्बुंबं सन्ति। नर्में व्रंबर्केषां में स्वे प्रवे प्र

चबाह्यकाक्ष्यत्राप्तात्र्यात्र्वात्राप्त्र्युकायकान्योः क्षेत्रच्यात्राप्तात्र्याः अत्तात्र्यात्राप्तात्र्यात्र

વયા નકું વ. ટે. ટે. તર લેદ્ર જા જા તું ચારા કા હો યા કી વ. તાલું ટ્યારા સ્વારા સ્વારા ક્ષેત્ર છે. એ તાલું વ. તાલુ বাৰ্ষত্য'ন'এই বাধ্যুদ্ৰ ইন্ধা कंत.वी कॅर.वर्पटे.राषु सर्व.लूव.इश्यान्यश्याने ध्रुव.शक्य.ट्याटीवी.पै. श्चित्रात्त्री वेदःपत्। <u> 2 व.त.च्री ब्रूवा, वृ. हो २. लट. श्रेन्य ए वृ. घृ. वृष्ट्र प्र. हो व्हर्ण विश्वयापट स्वा.</u> त्र विद्यापित सर्वे त्राम् स्वा स्वा द्वारा है दार् स्वा त्री का स्वा हिस्स त्रा स विट:ब्रैर्ण:य:वे:ट्रे*'*क्षु:य:्थेव:र्वे| |ट्रे-केंद्रे:ध्रेट:ब्रे-ब्रो-ब्रॅ्ग:दंट:घ्य:ब्रेट:व्रे र्चर हैं हैं। च रेट्रे हैं द ग्रै के चंद्र चंद्र र युश्य श्री हैं या विंधर हम र विवा यमानै क्री नायत्वा स्वापन्ति निर्देश न ૢૢૢૺૺૹૹૼૢૢૢૢઌ૽ૺૡૹૹૄૼૢૼ૽૽ૹ૾૽૽ઌ૽૽ૣૼ૱૱ૻ૱૱ૡ૱૿ઌઌ૽૽૾૽૽૽૱૽૽૱ૢૼૢૼૢૼઌૼૺૼૡ૽ क्रक्रमाचन्द्रात्तः क्षेत्रकाक्षेत्रकात् क्षेत्रमाचन्द्रकात्व विद्या चल्द्राचात्रकाः विक्रमाचन्द्रात्तः क्षेत्रकाक्षेत्रकात् क्षेत्रमाचन्द्रकात् विद्याचन्द्रकात् विद्याचन्द्रकाः <u>ૹૢ૽</u>૽ૹ૾ૢૺૣ૱ઌઌ૱ૹૢૻઌૣૹઌૢ૽ૺૢૼૼઌ૽ઌ૽૽ૺૢૹૻઌ૽૱ૹ૽૱૱ઌ૽૽ૡ૽ૺ૽૽ૢૢૹ૽૽ૣઌ૽ૼૡ૽ૺ૽૽ૢૹ૱ઌ૽૽ૼૡ૽ૺૺૹ૽ૹઌ૱ द्रव र्शेट र बी महिंद ने वमा केंद्र ये र वा चेदा देवे हवा है व र है व व व व <u>ૹૄ૽</u>ૹ૽ૹ૽૽ૠૻૻૹૹ૾ૢૢૺ૽ૹ૽૽ૹૹૹ૽૽ઌ૽૽ૢૼ૽ૢ૽૽૽ૢ૽ૹ૽૽ૹ૽૽ૼઌ૽ૻૹૢૹ૽૱ૻ૽૽૽ૹ૽૽ૹ૽ૹ૽૽ૡ૽૽ૼૺઌ૿૽ૡ૽ૺૺૻ देते:श्रु<u>न्यर्ते</u>ग'तृ:सुन-पयायेगॅयाळॅग्याचयंत्र'ठ्टु-सुन्र'ग्रीयागुदायांविगः त्विर्द्धा देशवे प्रश्लेष्य प्रश्लेष्य अवत्रित्य में त्र्र्ण हिंदि प्रश्लेष्य अवत्र प्राप्ति । य्रं श्रुरं प्रं ज्ञाञ्च प्रदेव के प्रते ग्रुपं यं यदे हें प्रदे के तु प्रं ज्ञे प्र

ঘ্রমেশ্বদী ব্যমভূদ্

ঀয়৽ঢ়৻ৼৢ৾ঀ

अई५:5ू८:1

खेबारक्षिय देव यञ्च शवच चु द्वर्या हूर क्षेत्र। वशक्रेदा य यञ्चर दिस्प देवा यञ्चर प्राय वशक्ष स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त श्विष हे के। श्विपक प्रिप्त प्रमुद्ध दोग्ने वशक्षा पश्चित यदि श्वेद स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त श्वेपक स्वाप्त स्वाप्त